0-3 साल के बच्चों में संवाद कुशलताओं का विकास

आपके बच्चे द्वारा बोलना सीखने से पहले आप जितनी ज्यादा साधारण रोज़मर्रा की बातें अपने बच्चे के साथ बाँटते हैं, वही यह निर्धारित करता है कि आपका बच्चा स्कूल में आगे निकल पाएगा या नहीं।

शिशु और छोटे बच्चे बोलना सीखने से बहुत पहले ही संवाद करना (किसी अन्य व्यक्ति को संदेश देना या उससे संदेश प्राप्त करना) सीखते हैं। वे अपने आस-पास के लोगों के साथ दैनिक संपर्क के दौरान ऐसा करना सीखते हैं। वे दूसरों की बातें देखते और सुनते रहते हैं और इशारों का उपयोग करके अपनी आवश्यकताओं, भावनाओं और अनुभवों को व्यक्त करते हैं।

बचपन से ही अच्छी तरह से संवाद कुशलताएं सीखने से अच्छी भाषा और साक्षरता (पढ़ना और लिखना) विकसित हो पाती है।
शिशु हमेशा:

सुनते रहते हैं – जब वे गर्भस्थ हों, तब भी
देखते रहते हैं - बच्चों के बात करने से पहले आँख से संपर्क करना बहुत महत्वपूर्ण होता है
चेहरे बनाते रहते हैं – अधिक भाव दिखाने वाले वाले चेहरे बच्चे का ध्यान खींचते हैं

दिमाग का विकास

आपके बच्चे के जीवन में किसी भी अन्य समय की तुलना में पहले तीन वर्षों में उसके दिमाग में ज्यादा तेजी से बढ़त और विकास होता है।

यह आपके बच्चे के दिमाग के लिए देखना और सुनना सीखने के लिए सबसे महत्वपूर्ण समय भी होता है। शिशुओं को हरकतें, आकार, रंग और चीजें (पास और दूर से) देखने की ज़रूरत होती है, जिससे उनका दिमाग देखना सीख सके। शिशुओं को अलग-अलग आवाजें सुनने की आवश्यकता भी होती है जिससे उनकी सुनने की क्षमता और आवाज की समझ का विकास हो सके।

भाषा के विकास के लिए और बात करना सीखने के लिए सबसे महत्वपूर्ण समय जीवन के पहले कुछ वर्ष होते है। बच्चों को आपको बोलते हुए, गाते हुए और पढ़ कर कुछ सुनाते हुए सुनने की आवश्यकता होती है। जब वे बड़बड़ा रहे होते हैं और आपके संवाद की नकल करने की कोशिश कर रहे होते हैं, तो उन्हें आपको उनसे बात करने की ज़रूरत भी होती है।

आप अपने बच्चे के सबसे पहले और सबसे महत्वपूर्ण शिक्षक हैं

- अपने बच्चे की बाते सुनें
- अपने बच्चे के साथ बात करें
- गाने और कविताएं एक-साथ गाएं
- किताबें एक-साथ पढ़ें
- किसी नई जगह पर एक-साथ जाएं
- उन्हें खेलने के लिए घर से कई अलग-अलग चीजें दें
- उन्हें यह बताते रहें कि वे अच्छा काम कर रहे हैं

याद रखें:

बच्चों के साथ खेलना उन्हें संवाद करना सिखाता है। टीवी और कंप्यूटर गेम्स और प्रोग्राम्स, डी वी डी और फ्लैशकार्ड्स, चाहे वे शैक्षिक क्यों न हों, बच्चे को अपनी संवाद कुशलताएं विकसित करने में मदद नहीं देते हैं। दूसरे लोगों के साथ बात करके ही बच्चा अपनी संवाद कुशलताएं विकसित कर पाता है।